हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 230 देहरादून, सोमवार, 06 मार्च, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

राजभवन में चल रहे तीन दिवसीय वसंतोत्सव का हुआ समापन

3

प्रदेश की आर्थिकी को सशक्त बनाने के लिये मुख्यमंत्री ने किया विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधि समूहों के साथ संवाद

जन सुझाव बनेंगे राज्य के विकास के आधार : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 5 मार्च। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में प्रदेश की आर्थिकी को सशक्त बनाने के लिये कृषि, बागवानी, उद्योग, व्यापार आदि समूह के प्रतिनिधियों से संवाद कर उनके सुझाव एवं विचारों से अवगत हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सबको मिलकर उत्तराखण्ड को सशक्त राज्य बनाने का संकल्प लेना होगा।

उन्होंने कहा कि इस संवाद से प्राप्त होने वाले सुझावों को आगामी बजट में समावेश करने के प्रयास किये जायेंगे। सुझाव देने वालों को अपने अपने क्षेत्रों की क्रीम बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे 21 वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक बनाने में भी निश्चित रूप से मदद मिलेगी।

प्रदेश के विकास में जन सहभागिता को जरूरी बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर सीमित हैं इसलिये हमें स्वरोजगार के माध्यम से रोजगार देने को आंदोलन बनाना होगा। समस्याओं एवं सुझावों का भी हमें मिलकर समाधान ढूंढना है। हमारा प्रयास अंत्योदय की अवधारणा को सर्व स्पर्शी विकास के साथ पूर्ण करने का है। यही हमारा मूल मंत्र भी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के समग्र विकास में अभिनव पहल के साथ राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विषय विशेषज्ञों के सुझावों पर भी हम कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम चौपाल जन समस्याओं के समाधान एवं उनके सुझावों को जानने का माध्यम बन रहे हैं। होम स्टे योजना भी ग्रामीण आर्थिकी एवं स्वरोजगार के माध्यम बन रहे हैं। वे स्वयं जनपदों के भ्रमण के दौरान होम स्टे में निवास कर रहे हैं। इसका अनुभव अविस्मरणीय एवं आत्मीयता के भाव वाला रहता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पास गंगा, यमुना, काली, शारदा जैसी नदियों के साथ 71 प्रतिशत भू-भाग वन व पर्वतों वाला है। देवों की हमारे ऊपर कृपा है। हमारे प्रदेश का हर क्षेत्र एक डेस्टिनेशन है। हम अपनी इन समृद्ध विरासतों के साथ आगे बढने का प्रयास कर रहे हैं।

■ मुख्यमंत्री की अभिनव पहल-आओ मिलकर उत्तराखण्ड को बनायें सशक्त

■ जनता का हित सर्वोपरि मानकर राज्य के विकास में बनें सहयोगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में भारत के अमृत काल का लक्ष्य भी देश व देशवासियों को विकास के नये शिखर पर पहुंचाना है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत प्रगतिशील देश के रूप में पहचान बना रहा है। कोरोना के बावजूद हमारी अर्थव्यवस्था विश्व में 10 वीं से 5वें स्थान पर पहुंची है। देश आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ रहा है। निर्यात बढ़ रहा है, डिजिटल ट्रांजेक्शन 40 प्रतिशत देश में हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विकास में नवाचार के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं। यह संवाद समस्याओं के समाधान की भी राह प्रशस्त करेगा, इसकी भी उन्होंने उम्मीद जतायी।

वित्त मंत्री श्री प्रेम चंद अग्रवाल ने कहा कि बजट से पूर्व विषय विशेषज्ञों से सुझाव एवं विचार आमंत्रित करने के ऐसे प्रयास गत वर्ष भी किये गये थे। यहां प्राप्त सुझावों को बजट का हिस्सा बनाने के प्रयास किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास में हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड को अग्रणी राज्यों में शामिल करने के प्रयासों में सरकार के साथ समाज के सभी जिम्मेदार नागरिक एवं विषय विशेषज्ञों की भी बड़ी भूमि रहती है।

अपर मुख्य सचिव श्री आनन्द बद्धन ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर आपसी संवाद की यह अभिनव पहल की गई है। इससे अर्थ व्यवस्था को मजबूती तथा विकास की गति को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के विकास, नागरिकों की क्षमता, योग्यता के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराना तथा नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाने के प्रयासों में ऐसे आयोजन प्रेरणा का भी कार्य करते हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मधु चौहान एवं मेयर श्री सुनील उनियाल गामा ने भी अपने विचार रखे।

इस अवसर पर जिन्होंने अपने सुझाव रखे उनमें इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री पंकज गुप्ता, उत्तराखण्ड होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री संदीप साहनी, दून स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज के प्रो. ममगाई, सीआईआई की अध्यक्ष सुश्री सोनिया गर्ग, अध्यक्ष व्यापार मण्डल श्री अनिल गोयल, नथुवावाला वार्ड मेम्बर सुश्री स्वाति डोभाल, प्रधान संघ ऊधम सिंह नगर के अध्यक्ष श्री भास्कर, आंचल समिति के अध्यक्ष श्री दुष्यंत सिंह रावत, एपल फेडरेशन उत्तराखण्ड के अध्यक्ष श्री विपिन पैन्यूली, चम्पावत के वागवान श्री हरीश चन्द्र जोशी, मौन उत्पादक संघ की अध्यक्ष श्रीमती निर्मला नेगी, अध्यक्ष स्वर्णा जैविक बासमती उत्पादक संघ श्री यशपाल सिंह राणा आदि शामिल थे।

इस अवसर पर सचिव श्री आर. मीनाक्षी सुंदरम, श्री दिलीप जावलकर, डॉ पंकज कुमार पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में विषय विशेषज्ञ एवं

होली का त्योहार देता है एकता का संदेश : प्रीतम सिंह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 5 मार्च। होली का त्योहार हम सभी को एकता का संदेश देता है। रंगों की कर तरह हमें भी एक दूसरे का साथ मिलजुलकर रहना चाहिए। यह बात रविवार को नगर निगम के मालसी वार्ड में होली मिलन समारोह में बतौर मुख्यअतिथि पूर्व नेता प्रतिपक्ष व चकराता विधायक प्रीतम सिंह ने कही। उन्होंने क्षेत्र के लोगों और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सभी को एक दूसरे के सुख दुख में शामिल होने के लिए आगे आना चाहिए। स्थानीय पार्षद सुमेंद्र सिंह बोहरा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। सभी ने एक दूसरे के साथ फूलों की होली खेलकर, मांगलिक गीतों व भजन कीर्तन के साथ होली की शुभकामनाएं दी। इस दौरान पूर्व महानगर अध्यक्ष कांग्रेस लालचंद शर्मा, राजपुर वार्ड से पार्षद उर्मिला थापा, कुलवेन्द्र सिंह बोहरा, रोहित ठाकुर, प्रियांश

छाबड़ा, निशांत कुमार, रविंद्र सिंह खरोला, गौरव गुलेरिया, रोहित क्षेत्री, नितिन भंडारी, सुंदर पुंडीर, मोहम्मद यासीन, नौशाद अहमद, इरफान अली, दुर्गेश गौतम, सौरव डुग्गु, विक्की कोहली, शुभम खरोला, निखिल खरोला, गौरव भंडारी आदि मौजूद थे।

सीएम धामी ने अपनी माता जी को गुलाल लगाकर लिया आशीर्वाद

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को अपने निजी आवास नगला तराई खटीमा पर होली पर्व के अवसर पर अपनी माता जी को गुलाल लगाकर उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने आवास पर पहुंचे लोगो को भी गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं व बधाई दी। इस अवसर रुद्रपुर विधायक शिव अरोरा, भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, गुंजन सुखीजा, अमित पांडे, जिलाधिकारी युगल किशोर पंत, एसएसपी मंजूनाथ टीसी, सीडीओ विशाल मिश्रा आदि उपस्थित थे।

स्वावलंबी भारत अभियान समिति ने मनाई होली

देहरादून। स्वावलंबी भारत अभियान समिति उत्तराखंड की ओर से रविवार को जिला रोजगार सृजन केंद्र श्री गोवर्धन सरस्वती विद्या मंदिर धर्मपुर में होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें बतौर मुख्य वक्ता डॉ. साध्वी प्राची ने शिरकत की।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर डाकरा में हुआ महिलाओं का सम्मान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 5 मार्च। कृषि मंत्री गणेश जोशी व भाजपा महिला प्रदेश अध्यक्ष आशा नौटियाल ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर डाकरा के बद्रीविशाल वैंडिग प्वाइंट में आयोजित होली मिलन समारोह में महिलाओं को सम्मानित किया। भाजपा की शहीद दुर्गामल्ल मंडल अध्यक्ष ज्योति कोटिया की अध्यक्षता में हुए होली मिलन समारोह व अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सशक्तीकरण एवं सुरक्षा सप्ताह में 'महिला भागीदारी को प्रोत्साहन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बीजेपी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष आशा नौटियाल ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सजीली प्रस्तुतियां दी गई। सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में सीता देवी, मधुबाला गुप्ता, सुंदरी देवी थापा, राजकुमारी देवी, दीक्षा सिंह, सीमा खन्ना, डॉ. बबीता सहोत्रा, सोनाली थापा, निशा, अशोक श्रेष्ठा, संगीता ओझा, अंजलि नगरकोटी, संजीवनी रावत, अनिता शर्मा, शिवानी गुरुंग आदि शामिल थे। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा मंत्री कमली भट्ट, निर्मला जोशी, गोर्खाली सुधार सभा अध्यक्ष पदम थापा, मंडल अध्यक्ष प्रदीप रावत, महामंत्री प्रभा शाह, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य निर्मला थापा, उपाध्यक्ष बबिता, संध्या थापा, विष्णु गुप्ता, सुरेंद्र राणा उपस्थित रहे।

बिस्तर में करते हैं 'उह.. आह.. आउच' तो तुरंत बदलें Position

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 मार्च , नियमित रूप से रात की नींद लेना उतना ही जरूरी है जितना कि रोजाना भोजन करना, लेकिन अगर कंधे के दर्द की स्थिति लगातार बनी हुई है तो नींद हराम हो जाती है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं कि कुछ स्लीपिंग पोजिशन को अपनाकर आप इस समस्या से राहत पा सकते हैं...

ज्यादातर हेल्थ एक्सपर्ट्स हमें रोजाना 7 से 8 घंटे की नींद का लेकिन कई लोगों को कंधे, पीठ और गर्दन का दर्द ठीक से सोने नहीं देता. सोने में तकलीफ होती है. यहां तक की एक बार लेट जाएं, तो गर्दन हो या कंधे हिलाना मुश्किल हो जाते हैं. ये स्थिति दर्दनाक तो होती ही है, साथ ही नींद भी बुरी तरह से डिस्टर्ब हो जाती है. वैसे तो दर्द आमतौर पर जल्दी ठीक हो जाता है. लेकिन अगर दर्द की स्थिति लगातार बनी हुई है तो कुछ तरीके हैं जिन्हें अपनाकर आप इस समस्या से राहत पा सकते हैं. चलिए जानते हैं.

कंधे का दर्द कैसे करें दूर?

पीठ के नीचे तौलिया रख कर सोएं

बैक स्लीपर्स यानी पीठ के बल सोने वाले लोगों को अपने बैक बोन या मेरूदंड को बेहतर बनाने के लिए पीठ के नीचे तौलिया को रोल करके सोना चाहिए. इससे दर्द में बहुत आराम मिलेगा क्योंकि तौलिया के रोल आपके पीठ को अच्छा सपोर्ट देता है जिससे आपको दर्द से राहत और अच्छी नींद भी आएगी.

एक अलग तकिए का प्रयोग करें

कई बार सुबह जागने के बाद गर्दन में दर्द महसूस होता है. इसके लिए जिम्मेदार है आपका तकिया. असल में आप जिस तकिए पर सो रहे हैं, हो सकता है वही आपके गर्दन में दर्द का कारण हो. ऐसे में तकिया लगाना बैक स्लीपर्स के लिए बेहतर है, जबकि पेट

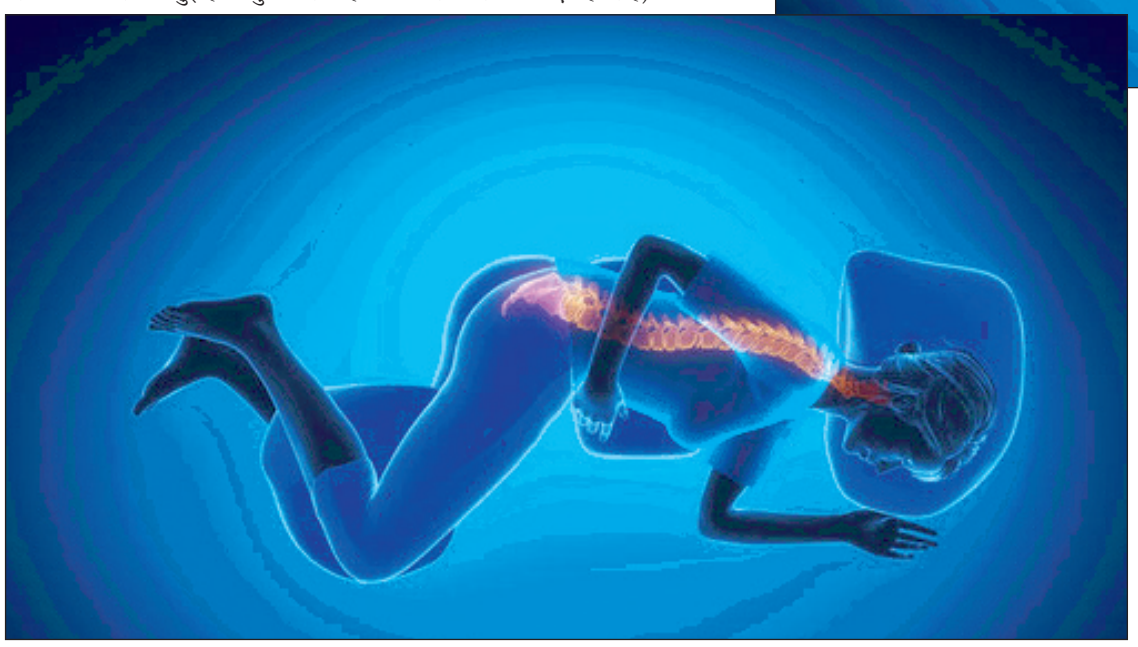

के बल सोने वालों को पतला या फिर तकिया बिल्कुल नहीं लगाना चाहिए. जो लोग करवट लेकर सोते हैं, उनके लिए मोटा और मजबूत तकिया अच्छा है. इस तरह के दर्द से न गुजरना पड़े, इसलिए अपनी स्लीपिंग पोजीशन के अनुसार सही तकिया का चयन करे.

घुटनों के बीच पेल्विस के नीचे एक तकिया लगाकर सोएं

अगर आप साइड स्लीपर हैं, तो आपको एक ऐसे तकिए का इस्तेमाल करना चाहिए जो आपकी गर्दन और सिर को आराम दें. हालांकि घुटनों के बीच दूसरा तकिया रखकर सोने से भी आपको बहुत राहत मिलेगी. एक एक्स्ट्रा तकिया आपकी रीढ़ और कूल्हों को बेहतर स्थिति में रखने में मदद करता है, जिससे पीठ में दर्द की संभावना बहुत कम बनती है. अगर आप उन लोगों में से हैं, जो पेट के बल सोते हैं, तो कोशिश करें कि पेल्विस के नीचे एक बहुत ही नरम और पतला तकिया लगाकर सोएं.

सख्त गद्दे पर सोएं

कंधे, गर्दन या फिर पीठ में दर्द होने की एक वजह आपका तकिया ही नहीं, बल्कि गद्दे भी हो सकते हैं. जी हां, मुलायम गद्दों पर सोने से अक्सर लोगों को दर्द की शिकायत होती है. दरअसल, इन गद्दों पर लेटकर बॉडी एकदम सीधी पोजीशन में नहीं रह पाती, जिससे पीठ में दर्द होने लगता है. इसलिए सोने के लिए हमेशा सख्त गद्दों का इस्तेमाल करना चाहिए. अगर आपके पास ऐसा गद्दा नही है तो आपको अपने विस्तर के नीचे कुछ लकड़ी के तख्त या प्लाइवुड के टुकड़े रखकर सोना चाहिए.

परम्परा भारत की : होली पर होगा लड़कियों का स्वयंवर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 मार्च , होली के मौके पर मध्य प्रदेश के झाबुआ क्षेत्र में भगोरिया उत्सव मनाया जाता है। इसे देखने के लिए दूर-दूर से लोग यहां आते हैं। ये आदिवासियों का मुख्य पर्व है। इस उत्सव में आदिवासी संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। और भी कई परंपराएं इस उत्सव को बहुत खास बनाती हैं। इस बार भगोरिया उत्सव की शुरूआत 1 मार्च से हो चुकी है। ये पर्व होली तक मनाया जाएगा। आगे जानिए इस उत्सव से जुड़ी खास बातें...

इस उत्सव में दिखती है आदिवासी संस्कृति की झलक

भगोरिया उत्सव के अंतर्गत रंग-बिरंगे पारंपरिक लिबास पहने आदिवासी हर जगह नजर आते हैं। मांदल (पारंपरिक वाद्य यंत्र) की थाप और बांसुरी की सुरीली पर झूमते-नाचते आदिवासियों को देखकर हर कोई झूमने लगता है। इस दृश्य को देखने के लिए देश ही नहीं बल्कि विदेश भी लोग यहां आते हैं। वैसे तो होली के पहले कई स्थानों पर भगोरिया उत्सव मनाया जाता है, लेकिन इन सभी में ग्राम वालपुर का भगोरिया सबसे खास माना जाता है, क्योंकि यहां एक साथ तीन प्रांतों की संस्कृति के दर्शन होते हैं।

एक तरह का स्वयंवर है ये उत्सव

भगोरिया एक तरह का स्वयंवर है, जहां विवाह योग्य लड़के-लड़कियां अपना मनचाहा जीवनसाथी चुनते हैं। इस उत्सव के दौरान अगर किसी युवक को कोई युवती पसंद आ जाए तो वह उसे पान देकर रिझाने की कोशिश करता है। युवती अगर ये पान उस युवक से ले लेती है तो वे दोनों रजामंदी से मेले से भाग जाते हैं और तब तक घर नहीं लौटते, जब तक की दोनों के परिवार

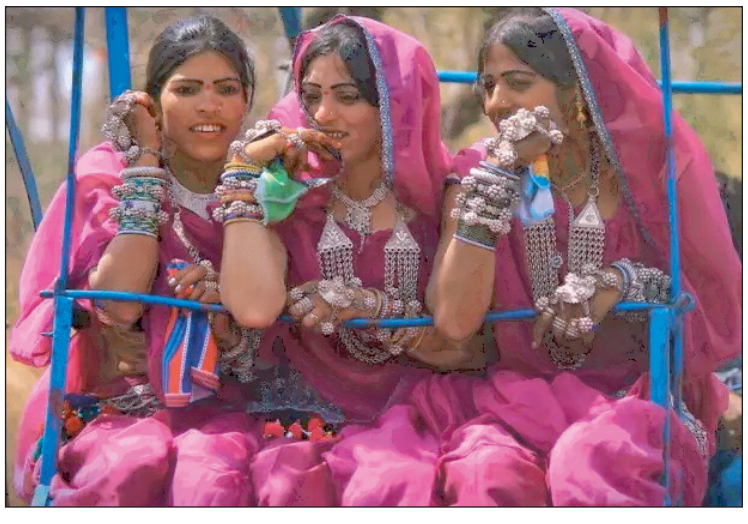

उनकी शादी के लिए राजी ना हो जाए। इस तरह ये मेला आधुनिक स्वयंवर का जीता-जीगता उदाहरण है।

इसलिए नाम पड़ा भगोरिया

पौराणिक कथाओं के अनुसार, झाबुआ जिले के ग्राम भगोर में एक प्राचीन शिव मंदिर है। मान्यता है कि इसी स्थान पर भृगु ऋषि ने तपस्या की थी। कहते हैं कि हजारों सालों से आदिवासी समाज के लोग भव यानी शिव और गौरी की पूजा करते आ रहे हैं। इसी से भगोरिया शब्द की उत्पत्ति हुई है। किसी समय इस मंदिर में पहले भगवान शिव- पार्वती की पूजा की जाती थी और इसके बाद ही भगोरिया पर्व शुरू होता था।

कैसे हुई भगोरिया उत्सव की शुरूआत ?

भगोरिया उत्सव क्यों मनाया जाता है और इसकी शुरूआत कैसे हुई, इसके पीछे कई मान्यताएं हैं। उसी के अनुसार, दो भील राजाओं कासूमार और बालून ने मिलकर अपनी राजधानी भगोर में पहली बार भगोरिया उत्सव का आयोजन किया था। इसके बाद ये एक परंपरा बन गई। एक अन्य मान्यता के अनुसार, भील जनजाति की परंपरा के अनुसार, विवाद के समय लड़के पक्ष को लड़कियों को दहेज न देना पड़े, इसलिए उत्सव की शुरूआत हुई। जहां पक्ष आपसी रजामंदी से लड़के-लड़कियों का विवाह करवाते हैं।

राजभवन में चल रहे तीन दिवसीय वसंतोत्सव का हुआ समापन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 5 मार्च। राजभवन देहरादून में तीन दिन तक चले वसंतोत्सव-2023 का रविवार को समापन हो गया। देहरादून का सांस्कृतिक आयोजन बन चुके वसंतोत्सव के इन तीन दिनों में बड़ी संख्या में लोगों ने पुष्पों की प्राकृतिक सुंदरता और अन्य कार्यक्रमों का आनंद लिया। वसन्तोत्सव-2023 में इस वर्ष की चल वैजयंती (रनिंग ट्राफी) आईआईटी रूडक़ी को मिली। इस वर्ष आईआईटी रूडक़ी को 13 श्रेणियों में, ओएनजीसी को 10 श्रेणियों में, उत्तराखण्ड वन विभाग को 03 श्रेणियों में, बीएचईएल को 02 श्रेणियों में पुरस्कार प्राप्त हुए। वसंतोत्सव में 16 श्रेणियों की 62 उपश्रेणियों में 186 प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार वितरित किये गये। राज्यपाल लेफ्टिनेट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने पुष्प प्रतियोगिताओं, रंगोली तथा बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता, फोटो प्रतियोगिता आदि श्रेणियों के विजेताओं को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया। (विस्तृत सूची संलग्न है।) इस अवसर पर राज्यपाल ने उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा कमल कांत शर्मा के सहयोग से बनाये गए डिजिटल एप का लोकार्पण किया। इस एप का मुख्य उद्देश्य सभी जैविक किसानों को उनके उत्पादों के विक्रय हेतु उपभोक्ताओं से सीधा संवाद स्थापित करवाना है।

वसन्तोत्सव-2023 समापन के अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि इस वर्ष पुष्प प्रदर्शनी में लोगों का उत्साह और प्रतिभाग देखने लायक रहा। उन्होंने कहा कि इन तीन दिनों में राजभवन के चारों ओर हर्ष व उल्लास का वातावरण था। राज्यपाल ने कहा कि संकल्प से सिद्धि और फूलों से समृद्धि के मंत्र के साथ आगे बढक़र देहरादून को फूलों की राजधानी व उत्तराखण्ड को फूलों का प्रदेश बनाना है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास रहेगा कि पूरे भारत में पुष्पों की जरूरत उत्तराखण्ड पूरी करे। राज्यपाल ने कहा कि उद्यान विभाग एवं राज्य के किसानों के सम्मिलित प्रयासों ने पुष्प उत्पादन को व्यवसायिक स्वरूप प्रदान किया है। राज्य में पुष्प उत्पादन हेतु विद्यमान अवसरों एवं उद्यान विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का पूर्ण लाभ प्राप्त करते हुए पुष्प उत्पादकों द्वारा इसे विकास की ऊंचाइयों तक पहुंचाया जायेगा, जो उनकी आय में अपेक्षित वृद्धि में सहायक होगा।

उन्होंने कहा कि कृषि बागवानी और पर्यटन विभाग के क्षेत्र से उत्तराखण्ड में समृद्धि, खुशहाली आयेगी। हमें अपने उत्पादन को बढ़ाकर आर्थिक क्रांति लानी है। उत्तराखण्ड की फसलें अमूल्य धरोहर के समान है, जिनका संरक्षण, संवर्धन एवं आने वाली पीढियों के लिए संरक्षित रखना हमारा कर्तव्य है। प्रदेश में जैविक खेती के साथ-साथ एक कदम और आगे बढ़ते हुए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता है, जिससे लोगों को उनके थाली में स्वास्थ्य वर्धक भोजन मिल सके। समापन समारोह में राज्यपाल ने सभी विजेताओं, प्रतिभागियों, तथा प्रदर्शनी के मुख्य आयोजक उद्यान विभाग, संस्कृति विभाग सहित सभी सहयोगी विभागों को इस महोत्सव के सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

इस अवसर पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि इस वसंतोत्सव-2023 में लोगों ने रिकॉर्ड भागीदारी की है। आने वाले समय में यह उत्सव और भी भव्य रूप लेगा। उन्होंने कहा कि कृषि-उद्यान के क्षेत्र में सरकार नये आयाम स्थापित कर रही है। उन्होंने कहा कि 2025 तक उत्तराखण्ड उद्यायानीकरण, पुष्प उत्पादन के क्षेत्र में उत्पादन को दोगुना करेगा, जिससे पलायन रोकने में भी सहायता मिलेगी। इस अवसर पर उन्होंने कई विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। समापन समारोह में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि उत्तराखण्ड को प्रकृति का एक अलग ही वरदान प्राप्त है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां जीवन देने वाली औषधियां हैं, यहां शहद, घी सहित अन्य उत्पादों की देश एवं विदेशों में भारी मांग है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से किसानों को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने के साथ-साथ उन्हें मार्केटिंग करने का भी मौका मिलता है।

पुरस्कार वितरण समारोह में प्रथम महिला गुरमीत कौर, पद्म प्रेमचन्द्र शर्मा, विधायक पुरोला दुर्गेश्वर लाल, सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, अपर सचिव रणीवर सिंह चौहान, निदेशक उद्यान डा. एच एस बावेजा, निदेशक कृषि गौरी शंकर, अपर निदेशक डॉ.जे.सी.केम, संयुक्त निदेशक डॉ. रतन कुमार, डॉ.सुरेश राम, डॉ.बृजेश गुप्ता सहित अनेक गणमान्य अतिथि, जनप्रतिनिधि तथा भारी संख्या में प्रदर्शनी में आये दर्शक भी उपस्थित थे।

देहरादून 100 स्कूल बसों का चालान, 18 वाहन सीज ये है वज़ह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 5 मार्च : देहरादून हरिद्वार टिहरी में स्कूली बच्चों की जान से खिलवाड़ हो रहा है। जी हां आपको ये जानकर हैरानी होगी कि इन 3 जिलों में 155 स्कूल बस, वाहनों का चालान हुआ है। 22 वाहन सीज कर दिए गए हैं। ऐसा क्यों हुआ, हम आपको बता रहे हैं। अनफिट वाहनों में स्कूली बच्चों को ढोकर उनकी जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा है। परिवहन विभाग की ओर से चलाए गए विशेष जांच अभियान के दौरान इसका खुलासा हुआ। देहरादून, हरिद्वार और टिहरी में स्कूली बसों, वाहनों का विशेष जांच अभियान चलाया गया। नियमों का उल्लंघन करने पर 155 स्कूली बसों, वाहनों का चालान किया गया। 22 वाहनों को सीज किया गया। उच्चतम न्यायालय की ओर से गठित सड़क सुरक्षा समिति के निर्देशों के

अनुपालन में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर विशेष जांच अभियान चलाया गया। स्कूली बसों को लेकर जारी की गई गाइडलाइन का राजधानी देहरादून में सबसे अधिक उल्लंघन किया जा रहा है। देहरादून में नियमों का उल्लंघन करने पर 100 स्कूली बसों का चालान किया गया, जबकि 18 वाहनों को सीज किया गया। हरिद्वार में 42 वाहनों का चालान और 4 वाहनों को सीज किया गया। टिहरी में 13 स्कूली वाहनों का चालान किया गया। आरटीओ प्रवर्तन तिवारी ने बताया कि विशेष जांच अभियान के दौरान 30 ऐसे वाहन पकड़े गए जो बिना परमिट के संचालित किए जा रहे थे। जबकि 25 वाहनों के चालक के पास ड्राइविंग लाइसेंस तक नहीं था।

21 वाहनों में फर्स्ट एड बॉक्स और 15 वाहनों में अग्निशमन उपकरण तक नहीं पाए गए। इतना ही नहीं विशेष जांच अभियान के दौरान ऐसे 11 निजी वाहनों को पकड़ा गया, जिनसे बच्चों को स्कूल ले जाया जा रहा था। नियमों के मुताबिक निजी वाहनों में व्यावसायिक तौर पर स्कूली बच्चों को नहीं ले जाया जा सकता।

संक्षप्ति खबरें

शत प्रतिशत राजस्व वसूली का रखा लक्ष्य

देहरादून। ऊर्जा निगम मैनेजमेंट ने इस बार शत प्रतिशत राजस्व वसूली का लक्ष्य रखा है। एमडी यूपीसीएल अनिल कुमार ने बताया कि अप्रैल 2022 से जनवरी 2023 तक राजस्व वसूली 99 प्रतिशत है। इस बार शत प्रतिशत वसूली का रिकॉर्ड बनाया जाएगा। राजस्व घाटे को पूरी तरह कम किया जाएगा। दो वर्ष पहले राजस्व घाटा 577 करोड़ था। जो बाद में 151 करोड़ हुआ। पिछले वर्ष इसे 21 करोड़ में सीमित किया गया। इस वर्ष इसे पूरी तरह समाप्त किया जाएगा। न सिर्फ राजस्व वसूली, बल्कि जनता की दिक्कतों को भी दूर किया जा रहा है। 650 शिविर का आयोजन कर 15 हजार उपभोक्ताओं की शिकायतों का समाधान किया गया।

महिलाओं को हो अपने अधिकारों की जानकारी

देहरादून। पंजाब नेशनल बैंक के देहरादून मंडल कार्यालय की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। रविवार को आयोजित हुए कार्यक्रम का उत्तराखंड महिला एसोसिएशन की संस्थापक अध्यक्ष साधना शर्मा ने शुभारंभ किया। इस दौरान न्यूट्रीशियन एवं डायटीशियन रश्मि कुशवाह, मंडल प्रमुख यशपाल सिंह राजपूत, पूनम राजपूत मौजूद थे। शर्मा ने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों के बारे में जानकारी होना बेहद जरूरी है। इस दौरान महिलाओं को स्वास्थ्य, उत्थान, जीवन स्तर आदि बिंदुओं पर भी विचार विमर्श किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को सम्मानित भी किया गया। साथ ही आइए खेल-खेल में सीखें हिंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई। उप मंडल प्रमुख प्रियरंजन ने सभी का आभार जताया।

कांग्रेस का घेराव कार्यक्रम जनभावना व गैरसैंण विरोधी:चौहान

देहरादून। भाजपा ने कांग्रेस के 13 मार्च को गैरसैंण में शुरू हो रहे बजट सत्र के दिन कांग्रेस के घेराव कार्यक्रम को औचित्यहीन ठहराया है। कहा कि यह जनभावना व गैरसैंण विरोधी भी है। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में मीडिया से बातचीत में चौहान ने कहा कि सवाल खड़ा करते हुए कहा कि कांग्रेस अंकिता हत्याकांड, भर्ती प्रक्रिया एवं अडाणी प्रकरण के नाम पर राजनैतिक घेराव का ऐलान किया है जबकि इन तमाम विषयों पर धामी सरकार के प्रयास से न्यायालय और जनता दोनों ही पहले अपनी मुहर लगा चुके हैं। लिहाजा अब प्रदर्शन व घेराव का कोई औचित्य नहीं बनता। चौहान ने कहा कि दिशाहीन और मुद्दाविहीन कांग्रेस का विधानसभा घेराव, हारी हुई लड़ाई लडने जैसा है, क्योंकि अंकिता प्रकरण और भर्ती प्रक्रिया में अब तक की जांच पर हाईकोर्ट ने भी संतुष्टि जताई है और इन मामलों को सीबीआई के सुपुर्द करने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि जहां तक बात रही अडाणी मुद्दे की तो, पहली बात सभी जानते हैं बाजार के उतारचढ़ाव का सरकारों से कोई संबंध नहीं होता है। वहीं, दूसरी और सुप्रीम कोर्ट ने टाप बैंकर, सेबी एक्सपर्टों की कमेटी बनाकर दो महीने में इस पूरे प्रकरण की जांचकर रिपोर्ट सौंपने को कहा है। चौहान ने कटाक्ष किया कि जब कांग्रेस के उठाए जा रहे आरोपों की हवा निकल चुकी है तो वे बजट सत्र के पहले दिन किस मकसद से हंगामा करना चाहते हैं।

कौरवों और पांडवों का गांव है 'कलाप'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कहा जाता है कि 'कलाप' गांव में आज भी कौरवों और पांडवों के वंशज रहते हैं। यहां के ग्रामीण लोग अपने आपको पांडव और कौरवों के वंशज मानते हैं। और तो और महाभारत काल से जुड़ी कई कहानियां भी सुनाते हैं, जिसे यहां आने वाले पर्यटक बड़े ही चाव से सुनते हैं। शांति व सुकून के लिए यह स्थान बिल्कुल परफेक्ट स्थान है। यहां आसपास न आपको गाड़ियों की शोर मिलेगी और न ही शहरी हलचल। यहां की पहाड़ियां भी बेहद खूबसूरत है, जो ताजी हवाओं से आपको तर कर देंगी। इस गांव में कर्ण को समर्पित एक मंदिर है, जो गांव का मुख्य मंदिर माना जाता है। यहां हर 10 साल में जनवरी के महीने में कर्ण महाराज महोत्सव मनाया जाता है।

एडवेंचर प्रेमियों के लिए खास है 'कलाप' गांव

पौराणिक मान्यताओं के साथ-साथ यह गांव आपको रोमांचित कर देगा। अगर आप एडवेंचर प्रेमी हैं तो आप यहां पर कैंपिंग, ट्रेकिंग, नेचर वॉक, बर्ड वाचिंग जैसी गतिविधियां कर सकते हैं। रूपिन नदी के किनारे बसा यह गांव 7800 फीट की ऊंचाई पर बसा है। कमाई के लिए यहां के लोग खेती-बाड़ी करते हैं। इसके अलावा,

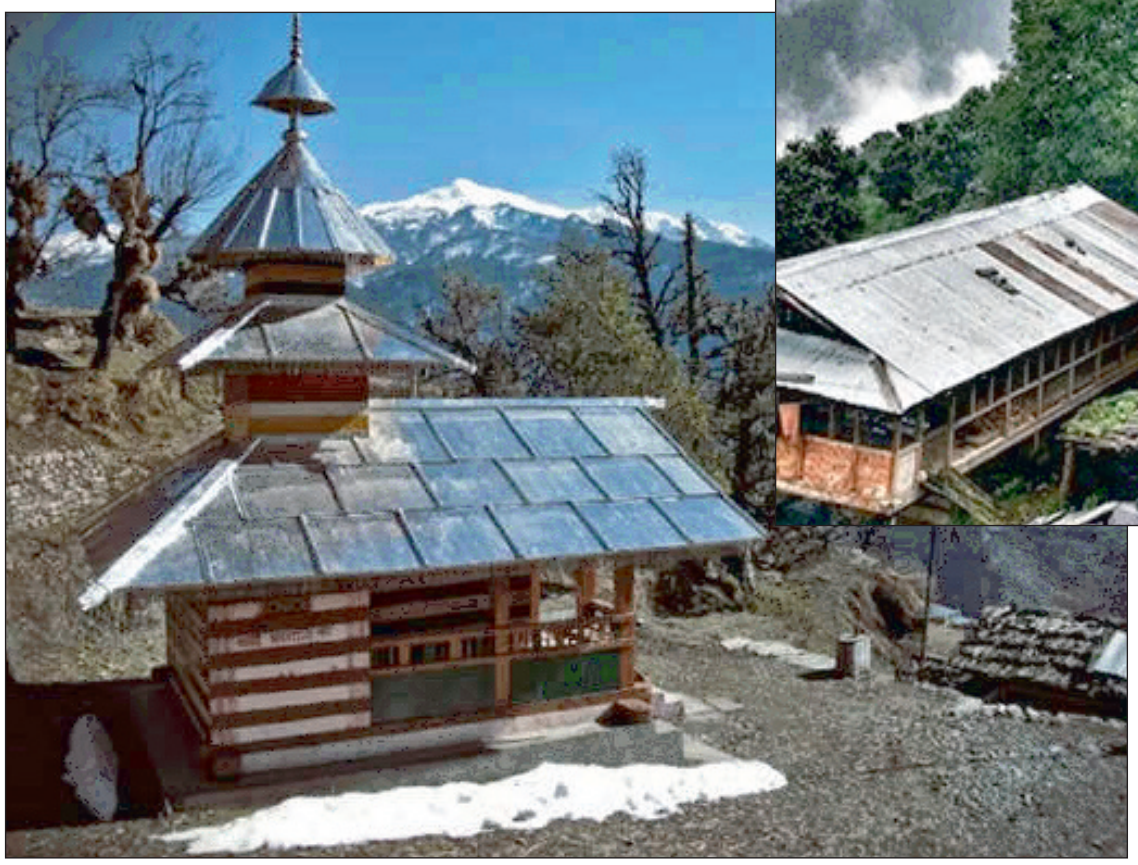

पर्यटकों से भी कुछ कमाई हो ही जाती है। यहां रहने के लिए आप गांव में बने होम स्टे में रह सकते हैं। यहां से सूर्योदय और सूर्यास्त का नजारा भी बेहद कमाल का नजर आता है। ऐसे में अगर आप भी किसी ऐसे स्थान की तलाश में हैं, जो पर्यटकों की आवाजाही से अधिक लदा न हो और ताजी हवाओं और सुंदरता से पटा हो तो आप 'कलाप' गांव की सैर कर सकते हैं।

'कलाप' गांव कैसे पहुंचें?

'कलाप' गांव, दिल्ली से 450 किमी. की दूरी पर स्थित है। ऐसे में आप यहां तक आसानी से पहुंच सकते हैं। इसके लिए पहले आपको देहरादून तक पहुंचना होगा, जो यहां से 200 किमी की दूरी पर स्थित है। देहरादून पहुंचने के बाद आप टैक्सी या खुद की गाड़ी से जा सकते हैं। 'कलाप' गांव तक पहुंचने के लिए आपको कुछ दूर ट्रेकिंग भी करनी पड़ेगी जो आपकी यात्रा को बेहद रोमांचक बनाती हैं।

अंडरवियर नहीं खरीद रहे भारत के मर्द, खतरनाक हैं संकेत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 5 मार्च , पुरुषों की अंडरवियर किसी देश की आर्थिक हालत को बयां करती है, इसे पढ़कर अजीब लग सकता है। लेकिन यह ऐसी हकीकत हैं, जिस पर दुनिया भर के अर्थशास्त्री नजर रखते हैं। अमेरिका से लेकर यूरोप के आर्थिक इतिहास को देखा जाय तो अंडरवियर की बिक्री और देश के आर्थिक हालात का सीधा कनेक्शन है। यानी अगर अंडरवियर की बिक्री गिरती है तो यह साफ संकेत होता है कि उस देश में मंदी की आहट है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि पुरुष उसी समय अंडरवियर की खरीद से परहेज करते हैं, जब उनकी कमाई गिरती है और उन्हें दूसरे खर्च के लिए अपनी इस अहम जरूरत में कटौती करनी पड़ती है।

मर्दों के अंडरवियर की बिक्री बताती है अंदर की बात !

वित्त वर्ष 2022-23 की तीसरी तिमाही में भारत में पुरुष अंडरवियर की बिक्री में गिरावट ने आर्थिक विशेषज्ञों के कान खड़े कर दिए हैं. देश के पुरुषों के अंडरवियर कम खरीदने को वे अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा संकेत नहीं मान रहे हैं. उनका मानना है कि कच्छों की घटी बिक्री लोगों के हाथ तंग होने

का इशारा है. अमेरिका के फेडरल रिजर्व के पूर्व प्रमुख ऐलन ग्रीनस्पैन द्वारा बनाए मेंस अंडरवियर इंडेक्स के अनुसार, जब किसी देश में पुरुषों द्वारा पहने जाने वाले अंडरवियर की बिक्री में गिरावट आती है, तो वह अर्थव्यवस्था में मंदी आने का संकेत होती है.

अमेरिकी फेड रिजर्व मानते हैं अहम संकेत

अमेरिकी फेड रिजर्व के पूर्व चेयरमैन एलन ग्रीन स्पेन के अनुसार, पुरुषों के अंडरवियर की बिक्री का आंकड़ा एक अहम आर्थिक संकेत है। इसके लिए उन्होंने एक अंडरवियर इंडेक्स भी तैयार किया है। उनके अनुसार पुरुषों का अंडरवियर सबसे प्राइवेट कपड़ा होता है और वह छिपा हुआ होता है, ऐसे में आर्थिक मोर्चे पर हालात टाइट होने पर कोई भी व्यक्ति अंडरवियर नहीं बदलता है। ग्रीन स्पैन की इस बात को अमेरिका में 2007 से लेकर 2009 के दौरान अंडरवियर की गिरी बिक्री मजबूत करते हैं। क्योंकि इस दौरान अमेरिका सहित पूरी दुनिया में मंदी छाई थी।

बदलते मौसम में शुष्क हो रहे हैं आपके हाथ, तो करे ये काम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 5 मार्च : मौसम बदल रहा है। सर्दियां जा रही हैं और गर्मियां दस्तक दे रही है। ऐसे में बहुत से लोगों को लगता है कि अब ड्राई स्किन से छुटकारा मिल जाएगा। हालांकि, ऐसा होता नहीं है। बल्कि इस मौसम में अत्यधिक मॉइश्चराइजेशन की जरूरत होती है। लेकिन मॉइश्चराइजेशन का मतलब केवल चेहरे से नहीं बल्कि आपके पूरे शरीर से है, खासकर हमारे हाथ।

इस मौसम में हम सभी अपने हाथों में ड्राईनेस का अनुभव करते हैं। ज्यादातर लोग अपना समय और पैसा स्किन केयर रूटीन में लगाते हैं, लेकिन अपने हाथों का ध्यान रखना भूल जाते हैं। वैसे तो ड्राई हैंड्स होना पूरी तरह से सामान्य है, लेकिन कई बार ये परेशान करने वाला और शर्मिंदगी का हिस्सा हो सकता है। जब आप किसी से मिलते हैं या हाथ मिलाते हैं तो आप रूखे हाथ में बाधा हो सकते हैं। ड्राई हैंड्स का मतलब है कि त्वचा अपनी नमी बनाए रखने के लिए पर्याप्त सीबम नहीं बना पा रही है। इसलिए आवश्यक है कि आप अपने हाथों की देखभाल को इग्नोर ना करें। कई बार ज्यादा हाथ धोने से भी ड्राइनेस की समस्या होती है।

सूखे हाथ होने का कारण- मौसम शुष्क हाथ और त्वचा हवा में कम नमी के कारण होती है। जब ठंड पड़ती है, तो हवा सूख जाती है, जिससे शरीर के लिए नमी बनाए रखना मुश्किल हो जाता है।

नेहरू युवा केंद्र हरिद्वार में जिला स्तरीय युवा उत्सव का हुआ आयोजन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था नेहरू युवा केंद्र हरिद्वार के द्वारा युवा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का उद्घाटन स्थानीय सांसद रमेश पोखरियाल जी निशांत द्वारा उत्तराखंड संस्कृति विद्यालय के सभागार में किया गया कार्यक्रम में लगभग 192 प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया गया कार्यक्रम को देखने के लिए प्रतिभागियों के अलावा अतिरिक्त 450 लोगों की उपस्थिति रही कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा अपने अपने स्टाल भी लगाए गए संचार ब्यूरो भारत सरकार द्वारा दर्शनीय स्थल का प्रदर्शनी किया गया जिसको माननीय सांसद द्वारा कराया गया सराहा गया.

माननीय सांसद महोदय ने प्रदर्शनी को बड़े ही धैर्य पुणे परीक्षण किया तथा प्रदर्शनी में लगाए गए स्टोलों द्वारा सरकार की उपलब्धियां एवं जन उपयोगी योजनाओं के बारे में भी चर्चा की कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के अलावा उत्तराखंड सांस्कृतिक विद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दिनेश चंद्र शास्त्री जी भी मौजूद थे के अलावा एस एम कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रोफेसर सुनील बत्रा रजिस्टर गिरीश चंद्र अवस्थी नेहरू युवा केंद्र के जिला अधिकारी रविंद्र सिंह जिला पंचायत अध्यक्ष किरण चौधरी विधायक आदेश चौहान युवा तुर्क विनय यादव लेखा एवं कार्यक्रम अधिकारी श्री धर्म सिंह रावत एवं नमामि गंगे के जिला परियोजना अधिकारी सत्यदेव आर्य भी मौजूद थे इनके अतिरिक्त लगभग 40 से 50 युवा मोर्चा एवं महिला मोर्चा के पदाधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे माननीय सांसद द्वारा विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया साथ ही उन्होंने भारत सरकार द्वारा किए गए प्रयासों का व युवा केंद्र द्वारा जिला स्तर पर किए जा रहे किस तरह के आयोजनों को देश को समाज के लिए खासकर युवाओं के लिए बहुत ही उपयोगी बताया। इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक सदस्य पाराशर आदर्श कश्यप अंकुल चौहान कल्लू सिंह पंकज कुमार सीमा साक्षी सैनी रहमान दीपक कुमार दीपक सैनी तनुज ने सहयोग प्रदान किया।

संक्षप्ति खबरें

आंगनबाड़ी सुपरवाईजर पदों के लिए प्रमोशन लिस्ट जारी

देहरादून। महिला सशक्तिकरण बाल विकास विभाग ने आंगनबाड़ी सुपरवाईजर की अनंतिम प्रमोशन लिस्ट जारी कर दी है। कुल 155 पदों के लिए साढ़े पांच हजार से अधिक आंगनबाड़ी वर्कर ने आवेदन किया था। महिला सशक्तिकरण बाल विकास विभाग ने नवंबर 2021 में सुपरवाईजर के रिक्त पदों पर विभागीय पदोन्नति के जरिए चयन प्रक्रिया प्रारंभ की थी। इसके लिए कुल साढ़े पांच हजार से अधिक आंगनबाड़ी वर्कर ने आवेदन किया था। प्रारंभ में रिक्त पदों की संख्या 105 थी, लेकिन विभाग ने वर्तमान चयन वर्ष में 30 जून तक रिक्त होने वाले सुपरवाईजर के पदों को शामिल करते हुए अब कुल 155 चयनित आंगनबाड़ी वर्कर की अनंतिम लिस्ट सार्वजनिक करते हुए, 10 दिन के भीतर आपत्ति मांगे हैं। इसके अलावा कोर्ट में चल रहे वाद के क्रम में पांच पद रिक्त रखे गए हैं। विभाग ने विवाद से बचने के लिए पूर्व में आपत्ति दाखिल करने वाली आंगनवाड़ी वर्कर की आपत्तियों का निस्तारण करते हुए, सभी आपत्तियों पर की गई कार्यवाई भी सार्वजनिक की है। इसके साथ ही चयनित अभ्यर्थियों के नाम, श्रेणी, कट ऑफ भी जारी करते हुए मैरिट पर दस दिन के भीतर आपत्ति दाखिल करने को कहा है। उत्तराखंड में पिछली बार 2012 में आंगनबाड़ी वर्कर से सुपरवाईजर के पदों पर प्रमोशन हुए थे, इस कारण आंगनबाड़ी वर्कर लंबे समय से प्रमोशन की मांग कर रहे थे। बीते दिनों आंगनबाड़ी वर्कर सम्पति त्रिपाठी और विमला जोशी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने सीएम से मुलाकात, प्रमोशन लिस्ट जारी करने की मांग की थी। जिस पर सीएम पुष्कर धामी ने सचिव को लिस्ट तत्काल जारी करने को कहा था।

शिवमोहन सिंह के दोहा संग्रह का विमोचन

देहरादून। समसामयिक विषयों पर लिखे गए शिव मोहन सिंह के दोहा संग्रह जयें कुहरे में धूप का लोकार्पण सेनि.पुलिस महानिदेशक अनिल रतूड़ी व अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने किया। हिंदी साहित्य समिति देहरादून व उद्गार साहित्यिक एवं सामाजिक मंच के संयुक्त तत्वावधान में जीएमएस रोड स्थित होटल ग्रैंड लीगेंसी प्राइम में हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही पूर्व कुलपति डॉ.सुधा रानी पांडेय, पूर्व डीजीपी अनिल रतूड़ी, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने साहित्य और मौजूदा लेखन पर अपने विचार प्रकट किये। डॉ. राम विनय सिंह ने छन्द शास्त्र के गूढ़ रहस्य का उल्लेख किया। कार्यक्रम में डॉ. एसके झा, डॉ. नीता कुकरेती, डॉली डबराल, डॉ राकेश बलूनी, शादाब अली, केडी शर्मा, ऊषा झा, हेमचंद्र सकलानी, सोमवारी लाल उनियाल, इन्द्रदेव रतूडी, सोमप्रकाश शर्मा, पवन शर्मा, हेमवती नंदन कुकरेती महामंत्री हिन्दी साहित्य समिति, कविता बिष्ट, संगीता शाह, राकेश जैन, निर्मला सिंह, डॉ. अनन्त मणी आदि अनेक गणमान्य साहित्यकार ने इसमें भागीदारी की।

जन जागरूकता साइकिल रैली निकाली

देहरादून। रविवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत जनपद देहरादून में श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय के सहयोग से जन जागरूकता साइकिल रैली का आयोजन किया गया। रैली का प्रमुख उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में महिलाओं के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना तथा पर्यावरण अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देना रहा। रैली का थीम 'स्वस्थ महिलाएं, स्वस्थ भारत' रखा गया था। रैली का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक खजान दास, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनके त्यागी और अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी एनएचएम डॉ. निधि रावत द्वारा किया गया। विधायक खजानदास ने महिलाओं के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि महिलाएं, परिवार और समाज की रीढ़ होती हैं, ऐसे में वे स्वास्थ्य रहेंगी तो परिवार और समाज स्वस्थ होगा। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के दौर में स्वस्थ रहने के साथ पर्यावरण अनुकूल परिवहन साइकिल का उपयोग करने की अपील की। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनके त्यागी ने कहा कि जनपद में समस्त चिकित्सा इकाइयों के साथ हेल्थ वेलनेस केंद्रों पर महिलाओं के स्वास्थ्य जांच की सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध है। एसीएमओ एनएचएम डॉ. निधि रावत ने कहा कि राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत जनपद में जननी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान, सुमन, इजा बोई शगुन योजना, फ्री सैनिटरी नैपकिन योजना, नई पहल किट, स्तन कैंसर जांच, ग्रीवा कैंसर जांच आदि योजनाएं संचालित की जा रही हैं। रैली में जिला सलाहकार एनसीडी अर्चना उनियाल, जिला आईईसी समन्वयक पूजन नेगी, मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम प्रबंधक शुभांश भट्ट सहित गुरु राम राय विश्वविद्यालय से छात्र-छात्राएं स्वर्णिमा, प्रिया, निशा, जान्हवी आदि मौजूद रहीं।

डीजी हेल्थ ने एसोसिएशन को दी मान्यता

देहरादून। उत्तरांचल मेडिकल एंड पब्लिक हेल्थ मिनिस्टीरियल एसोसिएशन को स्वास्थ्य महानिदेशक ने स्वास्थ्य विभाग के एकमात्र मिनिस्टीरियल संवर्गीय कर्मचारी संगठन के रूप में मान्यता दी। स्वास्थ्य विभाग में मिनिस्टीरियल संवर्ग के एकीकरण के बाद ये कार्रवाई की गई। अभी तक स्वास्थ्य विभाग में महानिदेशालय मिनिस्टीरियल संवर्ग और अधीनस्थ मिनिस्टीरियल संवर्ग के रूप में दो संवर्ग थे। इन दोनों संवर्ग का अब एकीकरण कर दिया गया है। एकीकरण के बाद स्वास्थ्य महानिदेशक स्तर एसोसिएशन को मान्यता दी गई। मेडिकल एंड पब्लिक हेल्थ मिनिस्ट्रीयल एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक राज उनियाल ने मान्यता देने पर शासन, महानिदेशालय का आभार जताया है। कहा कि संगठन के स्तर से कर्मचारियों के हितों की लड़ाई को जारी रखा जाएगा।

ई-ग्रन्थालय से जुड़ेंगे प्रदेश के सभी मेडिकल व नर्सिंग कालेज

देहरादून। राज्य के सभी मेडिकल और नर्सिंग कॉलेज ई-ग्रन्थालय से जुड़ेंगे। मेडिकल शिक्षण संस्थानों में पढने वाले शत प्रतिशत स्टूडेंट का ई-ग्रन्थालय में पंजीकरण होगा। इसके जरिए मेडिकल स्टूडेंट देश भर के मेडिकल शिक्षण संस्थानों में उपलब्ध पुस्तकों, शोध पत्रों और पत्रिकाओं का अध्ययन कर सकेंगे। स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने यमुना कालोनी आवास में हुई समीक्षा बैठक में कहा कि उच्च शिक्षा विभाग की तर्ज पर जल्द प्रदेश के निजी और सरकारी मेडिकल कालेजों, नर्सिंग कॉलेजों को भी ई-ग्रन्थालय से जोड़ा जाएगा। मेडिकल शिक्षण संस्थानों के ई-ग्रन्थालय से जुडने से मेडिकल एवं नर्सिंग की पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट को इसके माध्यम से कैटलागिंग की आधुनिक डिजिटल सुविधा मिलेगी। इसके साथ साथ विभिन्न मेडिकल कालेजों, नर्सिंग कालेजों में उपलब्ध बेहतर पुस्तकें, शोध पत्रों एवं पत्रिकाओं सहित पठन पाठन के अन्य संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे। कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत सभी शिक्षण संस्थानों में डिजिटल लाइब्रेरी अनिवार्य कर दी गई है। उत्तराखंड के तमाम शिक्षण संस्थानों में एनआईसी के सहयोग से ई-ग्रन्थालय स्थापित किए जा रहे हैं। इसके लिये एनआईसी अलग से एक पोर्टल तैयार करेगी। जिसमें मेडिकल एवं नर्सिंग कालेजों को अपना पंजीकरण कराना होगा। इसके बाद इसमें मेडिकल स्टूडेंट का पंजीकरण होगा। उच्च शिक्षा विभाग के तहत सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में ई-ग्रंथालय की स्थापना कर दी गई है। इसमें 21 लाख से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं। बैठक में निदेशक चिकित्सा शिक्षा डॉ. आशुतोष सयाना, कुलसचिव मेडिकल यूनिवर्सिटी प्रो एमके पंत आदि मौजूद रहे।

UPI से कितना भेज सकते हैं पैसा चेक करें बैंकों की लिमिट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 5 मार्च : ऑनलाइन पेमेंट ने लोगों की जिंदगी को काफी आसान बना दिया है। आप बड़ी मात्रा में कैश के बिना आसानी से किसी को भी मोबाइल के जरिए भुगतान कर सकते हैं. लेकिन कई लोगों के मन में ये सवाल उठता है कि यूपीआई के जरिए भुगतान की लिमिट क्या है. बता दें ये बैंक के अनुसार बदलती है। एचडीएफसी, आईसीआईसीआई और अन्य बैंकों द्वारा इसकी अलग-अलग लिमिट सेट की हुई है। आप इसी लिमिट से अधिक पैसे का लेनदेन नहीं कर सकते हैं।

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया NPCI के मुताबिक.यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) एक ऐसी प्रणाली है, जिसमें एक ही मोबाइल ऐप के जरिए आसानी से अपने कई बैंकिंग अकाउंट को जोड़ सकते हैं। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि आपको जिस

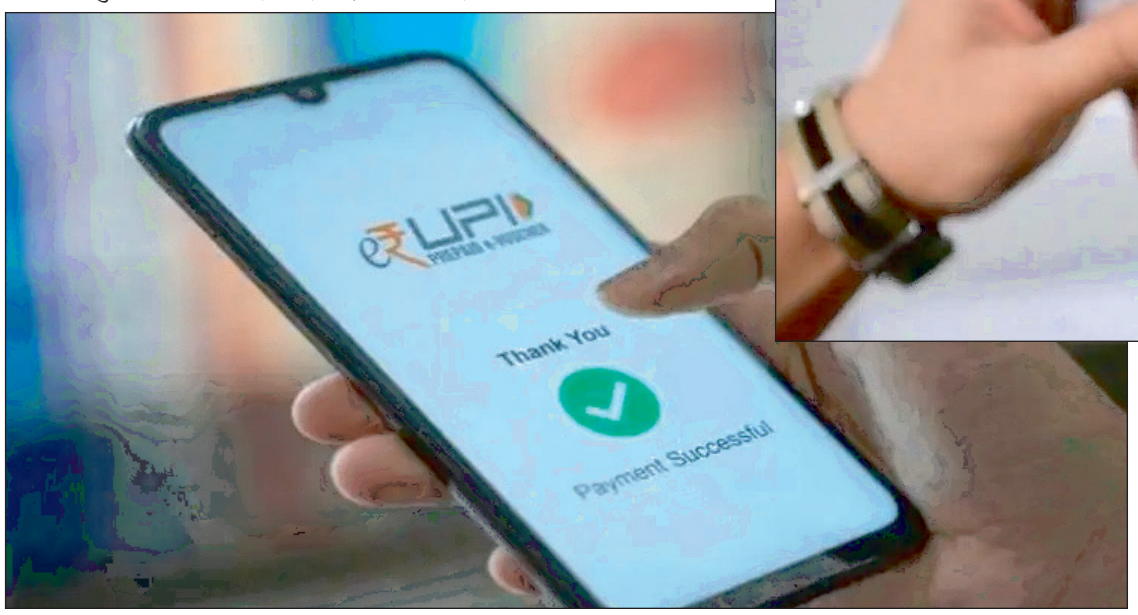

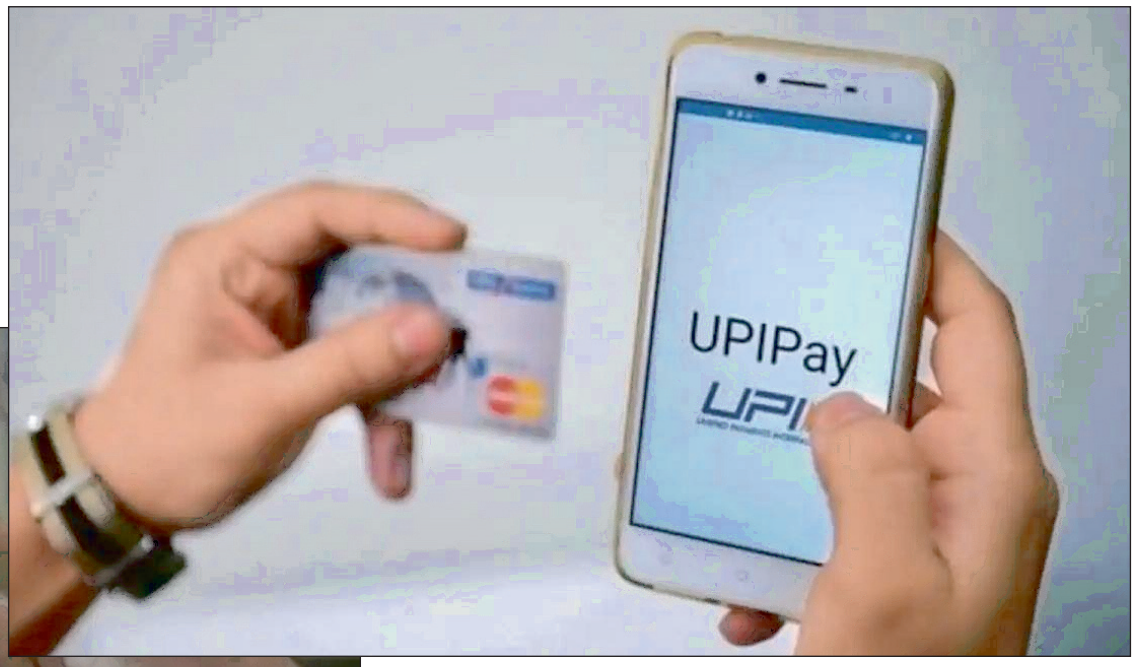

व्यक्ति को पैसे भेजने हैं। केवल उसका नंबर दर्ज कर अपना यूपीआई पिन डालकर आसानी से पैसे भेज सकते हैं।

भारतीय स्टेट बैंक में यूपीआई लेनदेन की लिमिट एक लाख रुपये है।एचडीएफसी बैंक में यूपीआई लेनदेन की लिमिट एक लाख रुपये तय की गई है। हालांकि, नए ग्राहकों के लिए ये लिमिट पांच हजार रुपये है।आईसीआईसीआई बैंक के ग्राहक यूपीआई से 10,000 रुपये तक का लेनदेन कर सकते हैं, लेकिन गूगल पे यूजर्स के लिए ये सीमा 25,000 रुपये तय की गई।एक्सिस बैंक द्वारा यूपीआई लेनदेन की सीमा को एक लाख रुपये तय किया गया है।बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा यूपीआई लेनदेन की सीमा को 25,000 रुपये तय किया गया है।

मैं-मेरा के बजाय हम-हमारा कहने से संतुष्टि मिलती है, रिश्ते मजबूत होते हैं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 5 मार्च : किसी भी व्यक्ति के जीवन में उसका परिवार, दोस्त और रिश्तेदार सबसे ज्यादा करीब होते हैं। रिश्ता चाहे जो भी हो, उसे निभाने के लिए कई जरूरी बातों का ख्याल रखना होता है। खासकर पति और पत्नी के बीच के रिश्ते में। हाल ही में पर्सनल टॉक पर हुए एक मनोवैज्ञानिक शोध में सामने आया कि मैं और मेरा जैसे एकवचन शब्दों का उपयोग करने की बजाए हम, हमारे और अपने जैसे बहुवचन शब्दों का उपयोग करने से जीवन में संतुष्टि प्राप्त होती है। रिश्ते मजबूत होते हैं। शोधकर्ताओं ने इसे वी-टॉक का नाम दिया है। शोधकर्ता लंबे समय से जीवन के अनुभवों के बारे में बात करने के लिए बहुवचन शब्दों के प्रयोग करने वाले और एकवचन का उपयोग करने वाले पति-पत्नी के बीच अंतर में शोध कर रहे थे।

शोध में सामने आया कि हर व्यक्ति की सोच और स्वभाव एक दूसरे से अलग होती है, लेकिन फिर भी सभी घर में एक दूसरे के साथ बैलेंस बनाकर चलते हैं। कई बार

व्यवहार बिल्कुल अलग होने और सोच एक दूसरे से न मिलने के कारण रिश्ते खराब हो जाते हैं और कई बार टूट भी सकते हैं। लिहाजा, वी-टॉक करने से हमारे ब्रेन में यह मैसेज चला जाता है कि पति और पत्नी दो अलग यूनिट नहीं बल्कि एक ही हैं। नतीजा यह होता है कि लंबे समय तक रिश्ते बने रहते हैं और कई बार दोनों की भावनाएं भी मेल करने लगती है। जैसे एक को दर्द होता है तो दूसरा बिना कहे ही इसे पहचान लेता है। इस तरह वी-टॉक के परिणाम सामने आए हैं। बच्चों के पालन-पोषण में भी वी-टॉक से प्रभाव पड़ता है। इससे बच्चों में शालीन भाषा का विकास होता है। वी-टॉक में एक कंप्यूटर प्रोग्राम द्वारा विश्लेषण किया कि छह से बारह महीने में रिश्तों में सुधार दिखाई देने लगता है। वहीं बच्चे भी बेहतर बनते हैं।

टेंशन लेना भी जरूरी इससे इम्यूनिटी बढ़ती है दिमाग युवा बना रहता

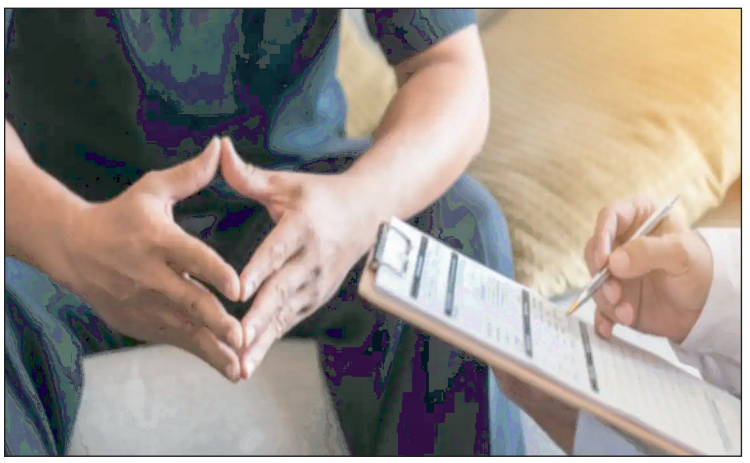

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 5 मार्च : भागदौड़ भरी जिंदगी में रोजमर्रा के छोटे-छोटे तनाव लेना अच्छा होता है। इससे दिमाग युवा बना रहता है और वृद्धावस्था बेहतर तरीके से गुजारने में मदद मिलती है। हाल ही में एक रिसर्च में यह बात सामने आई है। इससे पहले 1990 के दशक में इस तरह के तनाव को सेहत के लिए हानिकारक माना जाता था, लेकिन पहली बार फिरदौस डाभर नाम के एक अमेरिकी मनोचिकित्सक ने न्यूयॉर्क की रॉकफेलर यूनिवर्सिटी के एक रिसर्च के साथ इस संबंध में स्टडी की।

छोटे-छोटे तनाव हमारे इम्यून सिस्टम पर सकारात्मक असर डाल रहे हैं। आधुनिक दुनिया के लिए छोटे-छोटे तनाव बेहद जरूरी हैं। उदाहरण के तौर पर किसी एथलीट को आगामी दौड़ को लेकर थोड़ा तनाव होना जरूरी है। इससे हृदय और मांसपेशियों को मजबूती मिलती है और प्रदर्शन में सुधार आता है। हल्के शारीरिक व मानसिक तनाव दोनों से रक्त में इंटरल्यूकिन नामक रसायन बनता है। जो इम्यून सिस्टम को सक्रिय करता है। यह संक्रमण से लड़ने में मदद करता है। दिमाग का आकार 40 साल के बाद एक दशक में लगभग 5% की दर से घटता है। 70 की उम्र के बाद गिरावट की दर बढ़ जाती है। दिमाग की यह सिकुड़न ऐसे बुजुर्ग में 4 साल तक कम हो जाती है जो नियमित व्यायाम करते हैं।

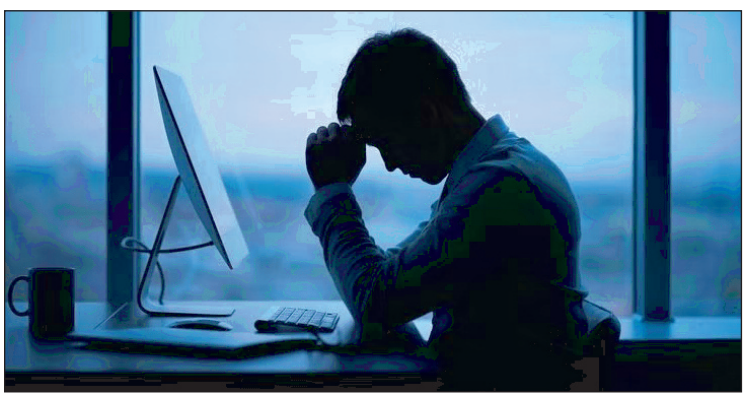

सोशल मीडिया का दोस्ती पर असरलाइक-कमेंट के आधार पर बनाए जा रहे दोस्त

ब्यूरो रिपोर्ट 5 मार्च : पूरी दुनिया में इन दिनों सोशल मीडिया दोस्ती का आसान प्लेटफॉर्म बन गया है। यहां लोग आसानी से न केवल दोस्त बना रहे हैं, बल्कि पोस्ट पर लाइक और कमेंट के आधार पर उन्हें तौल भी रहे हैं। वे ऑनलाइन दुनिया के इन मापदंडों से यह तय कर रहे हैं कि किसे दोस्त बनाना है और किससे दूरी रखनी है।लड़कियों के मुकाबले लड़कों में ज्यादा तनाव इससे देश में 50% किशारों में तनाव बढ़ रहा है। इनमें से 30% लड़के हैं। दरअसल, हार्वर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ एजुकेशन ने प्रोजेक्ट जीरो नाम से इस संबंध में एक रिसर्च की है। इस शोध के अनुसार किशोरों में दोस्त बनाने की लालसा भी बढ़ गई है। नतीजतन अपने स्कूल में साथ पढ़ने वाले किसी छात्र की पोस्ट पर ज्यादा लाइक और कमेंट आने पर वे तत्काल तनाव में आ जाते हैं। इतना ही नहीं, कई बार किसी संवेदनशील पोस्ट से किशोरों की भावनाएं भी आहत हो जाती हैं। सोशल मीडिया पर टेक्नोलॉजी की

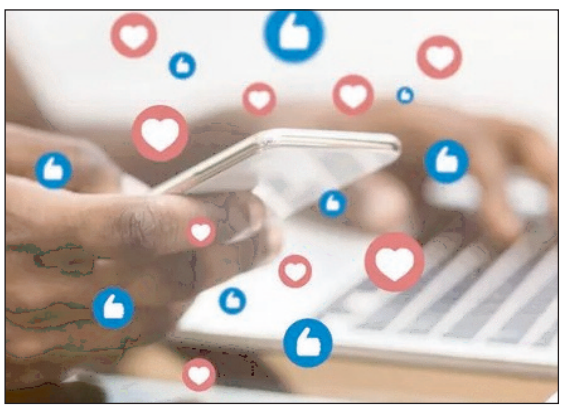

वजह से बच्चे कई सारे अनजान दोस्त भी बना रहे हैं और असल दोस्ती का मतलब और मायने भी भूलते जा रहे हैं। सोशल मीडिया के दोस्तों के कारण बच्चा तनाव में दिखे तो माता-पिता को उनसे बातचीत कर काउंसलिंग करनी चाहिए। ऑनलाइन दुनिया से बाहर निकलने के लिए उन्हें असली दोस्ती के मायने और तरीके समझाने होंगे। तभी बच्चे इस बात को समझ सकेंगे और अच्छे दोस्त बना सकेंगे।

कहां जाओगे बांके बिहारी... होली होगी हमारी तुम्हारी...

मानव अधिकार संरक्षण केंद्र उत्तराखंड ओर से होली मिलन समारोह आयोजित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 5 मार्च। मानव अधिकार संरक्षण केंद्र उत्तराखंड ओर से होली मिलन समारोह का आयोजन उत्तरांचल प्रेस क्लब में किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि माननीय अध्यक्षा उत्तराखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग डॉक्टर सीता खन्ना मौजूद रही। इस मौके पर उत्तराखंड की संस्कृति होली के महत्व को दर्शाते हुए उन्होंने कुमाऊं की खड़ी होली प्रस्तुत कर सभागार में मौजूद सभी को नाचने झूमने पर मजबूर कर दिया। सभी होलियार प्रेस क्लब के गेट से ही होगी गाते हुए सभागार में पहुंचे जिसे देखकर हर कोई खड़े होकर उनका स्वागत करने पर मजबूर हो गया और नाचने पर मजबूर हो गया।इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष उत्तराखंड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग अशोक वर्मा, प्रदेश प्रवक्ता भारतीय जनता पार्टी मनवीर सिंह चौहान , अध्यक्ष उत्तरांचल प्रेस क्लब अजय राणा, वरिष्ठ समाजसेवी एवं अध्यक्ष जनसेवा मंत्र साधना जयराज, समन्वय फूड इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड अनिल मारवा , पार्षद अभिषेक पार्षद , पार्षद मोंटी कोहली, महानगर अध्यक्ष भाजपा अल्पसंख्यक महिला मोर्चा यास्मीन आलम खान , दून वैली महानगर उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष पंकज मैसन एवं समाजसेवी अभिनव थापर ने अपने अपने विचार व्यक्त एवं सभी को मोमेंटो देकर मानव अधिकार संरक्षण केंद्र उत्तराखंड के महासचिव कुंवर राज अस्थाना द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ सुनील अग्रवाल उपाध्यक्ष डॉ प्रेम कश्यप महासचिव राजस्थान कोषाध्यक्ष पीके जैन सचिव राजीव वर्मा सचिव वासु सचिव समरजीत सिंह राजा डोगरा सुदेश शर्मा प्रश्न लखेरा अरविंद गुप्ता वैभव गोयल मोनिका डबराल पूनम आर्य देहरादून जिला चैप्टर के उपाध्यक्ष एसपी सिंह, प्रिया गुलाटी आदि मौजूद रहे।

कुमाऊं की खड़ी होली ने किया झूमने पर मजबूर

संपादकीय

आधुनिक तकनीक का समावेश

दुनिया में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है. जहां कड़ाके की ठंढ पड़ती थी, वहां गर्मी का एहसास होने लगा है. जहां भीषण गर्मी होती थी, वहां ठंढ बढ़ने लगी है. रेगिस्तान में बाढ़ आ रहे हैं और जहां साल भर बारिश होती थी, वहां लोग पानी के लिए तरसने लगे हैं. इस परिवर्तन से दुनिया बदल जायेगी और इसका प्रभाव हर व्यक्ति पर पड़ेगा. इस परिवर्तन को देखते हुए दुनिया के समझदार देशों ने तो अभी से योजना बनानी शुरू कर दी है. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मोटे अनाजों के उत्पादन पर जोर जलवायु परिवर्तन के खतरों के समाधान का ही एक प्रयोग है. फिलहाल भारत की जनसंख्या लगभग 140 करोड़ है. उसको खिलाने के लिए भारत सरकार के पास पर्याप्त अनाज भी है, लेकिन जरूरी नहीं है कि भविष्य में भी ऐसी स्थिति बनी रहेगी. मौसम परिवर्तन हमारे अन्न उत्पादन पर भी असर डालेगा. कृषि वैज्ञानिकों ने कम उत्पादन की आशंका जतायी है. इसके लिए भारत सरकार ने जहां मोटे अनाज को बढ़ावा देना प्रारंभ कर दिया है, वहीं देश भर में फैले कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से किसानों को जागरूक भी किया जा रहा है. विगत दिनों आसन्न कृषि तकनीक को लेकर कृषि विज्ञान केंद्रों में सेमिनार का आयोजन किया गया. ये केंद्र कार्यशालाओं का आयोजन भी कर रहे हैं, जिनमें यह बताने का प्रयास किया जा रहा है कि आने वाले समय में मौसम में व्यापक परिवर्तन आयेगा और उस परिवर्तन को लेकर हमें अपनी कृषि तकनीक बदलनी होगी. इस बदलाव के लिए इन केंद्रों ने अपने-अपने क्षेत्रों में रबी, खरीफ और गर्मा फसलों के लिए पायलट प्रोजेक्ट भी प्रारंभ किये हैं. इस प्रयोग को अखिल भारतीय रूप प्रदान किया गया है. देश के लगभग हर जिले में एक या एक से अधिक कृषि विज्ञान केंद्र हैं. इन केंद्रों की संख्या 721 है. इन केंद्रों ने सबसे पहला काम लिया है मोटे अनाज की खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित करना. इनका दूसरा बड़ा काम बिना जुताई खेती को बढ़ावा देना है. तीसरी प्राथमिकता सिंचाई, उर्वरक, कीटनाशक एवं मशीनी प्रयोग को सीमित करना है. जानकारी में रहे कि मोटे अनाज के उत्पादन में सिंचाई की जरूरत कम पड़ती है. मानव और अन्य श्रम भी कम ही उपयोग में लाया जाता है. चूंकि ऐसे अनाज सामान्य व पारंपरिक हैं, इसलिए इसके उत्पादन में उर्वरक और कीटनाशकों का उपयोग भी कम होता है. खरीफ में धान की खेती के लिए अमूमन कादो कर रोपाई की परिपाटी रही है. अब इसे बदलने का प्रयास हो रहा है. कृषि वैज्ञानिकों ने सीधे बुआई की तकनीक विकसित कर ली है. हालांकि बाढ़ वाले क्षेत्रों में पहले भी इस प्रकार से धान की बुआई होती थी, पर उसका प्रति हेक्टेयर उत्पादन बहुत कम होता था, लेकिन अब कृषि तकनीक में सुधार और वैज्ञानिक पद्धति ने इस समस्या का समाधान खोज लिया है. सरसों और अलसी आदि की खेती के लिए भी किसानों को खेतों की जुताई करनी होती थी, लेकिन अब बिना जुताई की खेती संभव है.

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus

न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

फायर सीजन से बचाव के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक चमोली द्वारा फ़ायर सर्विस यूनिट का निरीक्षण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली 5 मार्च : पुलिस अधीक्षक चमोली प्रमेन्द्र डोभाल द्वारा फायर सर्विस यूनिट गोपेश्वर व स्थानीय अभिसूचना इकाई कार्यालय का निरीक्षण करते हुए कार्यालय की साफ-सफाई का जायजा लेने के साथ ही नियुक्त कार्मिकों एवं उनके कार्य आवंटन की जानकारी ली गई।

स्थानीय अभिसूचना इकाई से सम्बन्धित अभिलेखों एवं रिकॉर्ड का निरीक्षण कर ऑनलाइन संचालित होने वाले पोर्टल तथा सत्यापन से सम्बन्धित जानकारी ली गई। विदेशियों के पंजीकरण जनपद में स्टे अवधि सम्बन्धी जानकारी ली गयी। पासपोर्ट इन्क्वायरी एवं सत्यापन से संबंधित प्रकरणों को निर्धारित समयावधि में किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। कार्यालय के गोपनीय अभिलेखों का गहनता से अवलोकन कर कार्यकुशलता बढाये जाने हेतु प्रभारी अभिसूचना इकाई को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। अभिसूचना संकलन को प्रभावी बनाए जाने हेतु निर्देशित किया गया तथा सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल के माध्यम से प्राप्त होने वाली भ्रामक पोस्ट इत्यादि पर सतर्क दृष्टि रखे जाने हेतु निर्देशित किया गया।

फायर सर्विस गोपेश्वर के वार्षिक निरीक्षण के दौरान सर्वप्रथम फायर स्टेशन कार्यालय/भवन, कर्मचारी बैरिक, भोजनालय, वॉचरूम, स्टोर व वाहन/मशीनों आदि का निरीक्षण किया गया। फायर सर्विस स्टोर में आपदा उपकरणों को चेक किया गया तथा फायर सर्विस एमटी कार्यालय में फायर वाटर टेंडर,रनिंग लॉग बुक चेक किया गया व वाहनों का रखरखाव देखा गया। किसी भी प्रकार की आग/रेस्क्यू में तत्परता दिखाते हुए त्वरित कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। महोदय द्वारा रेस्क्यू/आपदा उपकरणों को कार्यशील दशा में रखने एवं घटना के दौरान शीघ्र राहत बचाव कार्य किये जाने आदि के सम्बन्ध में प्रभारी अग्निशमन अधिकारी को आवश्यक दिशा- निर्देश दिये गये। इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक चमोली प्रमोद शाह, निरीक्षक अभिसूचना सचिन चौहान, प्रभारी अग्निशमन अधिकारी धीरज सिंह तड़ियाल व आशुलिपिक मनोज कुमार मौजूद रहे।

स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर महामहिम राष्ट्रपति ने किया उत्तराखंड की निकिता और कविता को सम्मानित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। जल शक्ति मंत्रालय द्वारा दिनांक 4 मार्च 2023 को विज्ञान भवन नई दिल्ली में आयोजित स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान 2023 समारोह में ग्रामीण पेयजल एवं स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली ₹विमेन चैंपियन₹ को महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा सम्मानित किया गया जिस में उत्तराखंड राज्य की 2 ग्राम प्रधानों निकिता चौहान ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत जोशी गोठान देहरादून एवं कविता गोस्वामी ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत बागेश्वर को स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान से सम्मानित किया गया इस कार्यक्रम में देश की अ_ारह चयनित विमेन चैंपियंस को महामहिम राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया गया।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत किए जाने वाले कार्यों हेतु विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए जिसमें ओडीएफ प्लस गांव, गोवर्धन बायोडिग्रेडेबल अपशिष्ट और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन तथा ग्रे-वाटर या मल कीचड़ प्रबंधन के अंतर्गत पुरस्कार प्रदान किए गए जिसमें नीता चौहान को प्लास्टिक वेस्ट प्रबंधन एवं कविता गोस्वामी को ओडीएफ मॉडल विलेज की श्रेणी में पुरस्कार प्रदान किया गया, इस कार्यक्रम में गजेंद्र सिंह शेखावत जल शक्ति मंत्री भारत सरकार विश्वेश्वर टूडू राज्य मंत्री जल शक्ति मंत्रालय प्रहलाद सिंह पटेल राज्य मंत्री जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार देवु सिंह चौहान राज्यमंत्री संचार मंत्रालय भारत सरकार, विनी महाजन सचिव पेयजल एवं स्वच्छता विभाग पंकज कुमार, सचिव जल संसाधन नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग द्वारा महामहिम राष्ट्रपति जी के साथ पुरस्कार तिरण किया गया। कार्यक्रम में राज्य की ओर से अनुराधा पाल जिलाधिकारी बागेश्वर हिमाली जोशी पेटवाल इकाई समन्वयक स्वजल, सुशील मोहन डोभाल जिला विकास अधिकारी देहरादून, नमित रमोला अधीक्षण अभियंता जल जीवन मिशन , संजय पांडे, सुरेश पांडे, मंजू जोशी, गिरजा शंकर भट्ट, लक्ष्मी कुमारी स्वजल एवं विभिन्न ग्राम पंचायतों की महिला प्रधानों,महिला समूह की प्रतिनिधियों आदि के द्वारा प्रतिभाग किया गया। नितेश कुमार झा सचिव पेयजल एवं स्वच्छता विभाग उत्तराखंड शासन एवं उदय राज सिंह निदेशक द्वारा सभी सम्मानित विमेन चैंपियनों को बधाई व शुभकामनाएं दी गई है।

जनता दरबार में विधायक चौहान ने सुनी जन समस्याएं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

विकासनगर। दिनकर विहार स्थित कैंप कार्यालय में लगे जनता दरबार में विधायक मुन्ना चौहान ने विधान सभा क्षेत्र के गांवों और शहरों से आए ग्रामीणों की समस्याओं को सुनी। अधिकांश समस्याओं के निस्तारण के लिए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। आम जनता ने विधायक के सामने सडक़, पेयजल, बिजली, पानी, सिंचाई, स्वास्थ्य सुविधा से संबंधित समस्याओं को रखा। जनता दरबार में बिन्हार क्षेत्र से आए ग्रामीणों ने बताया कि लांघा-मटोगी मोटर मार्ग की हालत लंबे समय से जर्जर हो रखी है। बिन्हार क्षेत्र के करीब एक दर्जन मजरों को यातायात की सुविधा मुहैया कराने वाले इस मार्ग पर सफर करने के दौरान हर समय दुर्घटना का खतरा बना रहता है। लांघा क्षेत्र के ग्रामीणों ने बताया कि अक्सर गांवों में लो वोल्टेज की समस्या रहती है। रूद्रपुर के प्रताप सिंह, मेहरबान सिंह ने कहा कि क्षेत्र में नशे का कारोबार बढ़ रहा है। बाजार से लगे जंगलों में नशेडियों का अड्डा बना रहता है, जिससे ग्रामीण महिलाएं चारा पत्ती के लिए जंगल में जाने से भी कतराती रहती हैं। बाड़वाला से आए ग्रामीणों ने बताया कि अश्वमेघ यज्ञ वेदी स्थल के सौंदर्यीकरण के बीते दो साल से आश्वासन मिल रहा है, लेकिन अभी तक सौंदर्यीकरण कार्य शुरु नहीं किया गया है। यज्ञ वेदी स्थल तक पहुंच मार्ग का भी निर्माण नहीं किया गया है। कहा कि ऐतिहासिक स्थल का सौंदर्यीकरण और प्रचार प्रसार से होने से क्षेत्र में पर्यटन उद्योग विकसित होगा, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा। इसके साथ ही जनता दरबार में आए नागरिकों ने मुख्यमंत्री राहत कोर्स से आर्थिक सहायता मुहैया कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग भी विधायक से की। विधायक ने अधिकांश समस्याओं के निस्तारण के लिए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को दिए। साथ ही कहा कि नियत समय में समाधान नहीं होने पर कैंप कार्यालय में आकर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख जसविंदर सिंह, नीरज ठाकुर, रोशन नेगी, जितेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

योग महोत्सव के पांचवें दिन हुई योग और आयुर्वेद पर चर्चा

ऋषिकेश। अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव के पांचवें दिन रविवार सुबह योग साधकों को योगाभ्यास कराया गया। साथ ही योग और आयुर्वेद पर चर्चा हुई। खास बात यह कि महोत्सव में प्रतिभाग करने वाले देशी-विदेशी साधक नाड़ी परीक्षण में विशेष रुचि दिखा रहे हैं। मुनिकीरेती स्थित जीएमवीएन के गंगा रिजॉर्ट में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव के पांचवें दिन रविवार सुबह बड़ी संख्या में साधक योग पहुंचे। सुबह के सत्र में सभी 6 योग संस्थानों द्वारा योग साधकों को योग अभ्यास कराया गया। इसके बाद द्वितीय सत्र में ब्रह्मकुमारी की ओर से प्रांगण में मौजूद लोगों को शरीर और मन को शांति प्रदान करने हेतु प्रणायाम एवं आसान की विस्तृत जानकारी दी गई। योग महोत्सव में प्रतिदिन आयुर्वेद महाविद्यालय की ओर से नाड़ी परीक्षण सत्र का आयोजन किया जा रहा है, नाड़ी परीक्षण में लोग की काफी रुचि दिख रही है।

हास्य योग सत्र के दौरान डॉ. मनोज रांगड़ ने हास्य योग के विभिन्न विषयों की जानकारी दी। चौथे सत्र में आयुर्वेद - जीवन का विज्ञान विषय पर परिचर्चा सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में पंचकर्म पर डॉ. जेपी नौटियाल, मर्म चिकित्सा पर प्रोफेसर सुनील जोशी, गर्भाधान संस्कार पर डॉ. संजीवन देवधर एवं आयुर्वेद विषय पर प्रो. एचएम चंदोला ने विशेषज्ञ राय रखी। कार्यक्रम के अगले सत्र में ईशा फाउंडेशन के सिद्धार्थ भान द्वारा जीवन में तनाव दूर करने के लिए योग एवं प्राणायाम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान संकीर्तन का आयोजन भी किया गया।

चारधाम यात्रा में ट्रिप कार्ड की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग

ऋषिकेश। गढ़वाल मंडल टैक्सी चालक एवं मालिक एसोसिएशन ने चारधाम यात्रा में ट्रिप कार्ड की अनिवार्यता पर टैक्सी संचालकों ने आपत्ति जताते हुए इस व्यवस्था को समाप्त करने की मांग सरकार से उठाई है। रविवार को हरिद्वार रोड स्थित गढ़वाल मंडल टैक्सी चालक एवं मालिक एसोसिएशन कार्यालय में चारधाम यात्रा की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में एसोसिएशन अध्यक्ष विजयपाल सिंह रावत ने कहा कि वाहनों के ग्रीन कार्ड एवं यात्रियों के रजिस्ट्रेशन के पश्चात ट्रिप कार्ड की अनिवार्यता का कोई औचित्य नहीं है। चारधाम यात्रा के दौरान पहाड़ में नेटवर्क की समस्या के चलते यात्रियों एवं वाहन संचालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसके चलते चेक पोस्टों पर वाहनों की लंबी कतारें जाम का सबब बनती हैं।

स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने को लेकर की बैठक

कोटद्वार। वर्तमान में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण कोटद्वार बेस हॉस्पिटल की हालत को सुधारने के लिए दिल्ली एम्स की 12 स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की टीम के साथ चिंतन मंथन कर रही है। इसी क्रम में रविवार को उन्होंने बेस हास्पिटल स्टाफ और एम्स की टीम के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि बेस हॉस्पिटल में डॉक्टरों की कमी है। इस अस्पताल में दूरदराज के गांवों सहित उत्तर प्रदेश से भी लोग इलाज कराने आते हैं। इसलिए यहां की व्यवस्थाओं को सुचारू बनाना आवश्यक है। इस पर एम्स के डायरेक्टर डॉक्टर एम श्रीनिवास ने पूर्ण सहयोग करने की बात कही। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष ने एम्स से आई डॉक्टरों की टीम के साथ सिद्धबली धाम में दर्शन किए। तत्पश्चात बेस हास्पिटल का निरीक्षण किया। इस दौरान बेस अस्पताल के सीएमएस डा. विजयेश भारद्वाज, डा. विजयदीप,डा. गरिमा, डा. हेमांग, डा. विजय कुमार और डा. सोमरंजन मलिक आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस ने निकाली हाथ से हाथ जोड़ा यात्रा

देहरादून। कांग्रेस के देशव्यापी हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के तहत में रविवार को महानगर कमेटी की ओर से कैंट विधानसभा क्षेत्र में यमुना कॉलोनी और गोविंदगढ़ में यात्रा निकाली गई। महानगर अध्यक्ष डॉ. जसविंदर सिंह गोगी ने कहा कि सरकार सार्वजनिक उपक्रमों को बेचने में लगी है। महंगाई ने आम आदमी का जीवन दुभर कर दिया है। इन मुद्दों से जनता का ध्यान बंटाने के लिए देश को नफरत की आग में झोंका जा रहा है। गोगी ने आरोप लगाया कि पर्वतीय इलाकों में भूधसाव के मामलों को सरकार ने नजरंदाज किया। सरकार को राज्य के असल मुद्दों से सरोकार नहीं है। कार्यक्रम संयोजक हरिंदर बेदी रहे, संचालन दिनेश कौशल ने किया। ब्लॉक अध्यक्ष प्रमोद गुप्ता, दिनेश सिंह कौशल, पूर्व पार्षद चरणजीत कौशल, पूनम कंडारी, कृष्ण, गोपाल सिंह, आयुष सेमवाल, अभिषेक तिवारी, गजेंद्र, सूरज क्षेत्री, बंटू, देवेंद्र, लक्की राना, मेहताब आलम, सुनीता कोठियाल, मनीष गर्ग, जेपी भट्टराई, फहीम, शिवम कुमार, सुरेश कुमार, अमित, गौरव कुमार, ताराचंद, ऋषि कागरा आदि उपस्थित थे।

पुरानी पेंशन बहाली को गैरसैंण कूच करेंगे कर्मचारी

देहरादून। पुरानी पेंशन बहाली को लेकर राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा उत्तराखंड, गैरसैंण में होने वाले बजट सत्र के दौरान विधानसभा का घेराव करेगा। 13 मार्च को घेराव किया जाएगा। मोर्चा की ऑनलाइन बैठक में विधानसभा घेराव की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। कर्मचारियों ने कहा कि वे इस तरह के आंदोलनों के पक्ष में नहीं हैं। इसके लिए सरकार उन्हें विवश कर रही है। पुरानी पेंशन बहाली को न तो कोई ठोस कदम उठाया जा रहा है। न ही कोई सकारात्मक आश्वासन दिया जा रहा है। कहा कि पेंशन कर्मचारियों का हक है। जब देश के कई राज्यों में कर्मचारियों को पुरानी पेंशन का लाभ दिया जा रहा है तो उत्तराखंड के कर्मचारियों को क्यों इस लाभ से वंचित रखा जा रहा है। कहा कि जब एक दिन के विधायक, सांसद को पुरानी पेंशन का लाभ दिया जाता है। उन्हें तमाम सुविधाएं देते हुए करोड़ों खर्च किए जा रहे हैं। कर्मचारियों को 30 से 35 वर्षों तक सरकारी सेवा के बाद भी पेंशन से दूर रखा जा रहा है। नई पेंशन स्कीम में सिर्फ दो हजार रुपये दिए जा रहे हैं। पुरानी पेंशन बहाली को लगातार आंदोलन जारी रखे जाएंगे। एक मई को मजदूर दिवस पर संसद तक मार्च निकाला जाएगा। बैठक में प्रदेश महासचिव सीताराम पोखरियाल, प्रदेश प्रभारी विक्रम सिंह रावत, गढ़वाल मंडल अध्यक्ष पूरन सिंह फर्स्वाण, महासचिव नरेश कुमार भट्ट, राजीव उनियाल, अशोक कुमार, अनसूया जुगराण, बृजमोहन रावत, दीप जोशी, हिमांशु, ज्योति नौटियाल, मसंत सिंह, प्रदीप नेगी, शीतल शाह, वीर सिंह, ऋषि सिंह, मंजू पुरोहित, लक्ष्मी नेगी, रणवीर सिंह सिन्धवाल, सतीश कुमार, सतीश चौधरी, अंजू शर्मा, रश्मि गौड़, अवधेश कुमार, अजीत नेगी, बबीता रानी, सुभाष देवलियाल अनूप पुजारी, मोहन राठौर मौजूद रहे।

शिक्षकों ने रंगारंग कार्यक्रमों से बांधा समां

देहरादून। उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ देहरादून की ओर से रेसकोर्स स्थित शिक्षक भवन में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित हुए। शुभारंभ जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र रावत, जिलामंत्री विनोद लखेड़ा, कोषाध्यक्ष गंभीर रावत एवं संरक्षक शशि दिवाकर ने दीप जलाकर किया। विकासनगर ब्लॉक कोषाध्यक्ष मधु पटवाल ने गणेश वंदना और सरस्वती उनियाल ने सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। विकासनगर के मदन पाल, अंजू राजपूत, पवन कुमार, संतोष जयश्री ने बेहद खूबसूरत गीत और कविता की सुंदर प्रस्तुति दी। मधु पटवाल, नीलम, मनीषा रावत ने शानदार नृत्य से मन मोह लिया। सोसाइटी संचालक कुलदीप तोमर और जिला खेल समन्वय लेखराज तोमर एवं साथियों ने रंगारंग जौनसारी नृत्य से समा बांधा। विकासनगर से सुमन अग्रवाल, इंदु डिमरी, कालसी से विभा शर्मा, पूनम मियां, चकराता से ज्योति जोशी, चयनिका यादव, डोईवाला से पुष्पा रावत, सुदेश मैठाणी, रायपुर से सुनीता उनियाल, रुचि सेमवाल, सहसपुर से द्मयांति रावत, रुचि पुंडीर और माधवी शर्मा को सम्मानित किया गया। अंत में सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाया। संचालन जिला उपाध्यक्ष अरविंद सोलंकी ने किया।